SHRI PURISAI KANNAPPA SAMBANDAN

Shri Purisai Kannappa Sambandan is an artist of Purisai School of Therukoothu from Tamil Nadu.

2. Born on 16th October,1953 in Purisai village of Tiruvannamalai District, Tamilnadu, Shri Sambandan is a fifth generation artiste of the Purisai School of Therukoothu. He has been performing since 1977 in the main roles. In 1977, he participated in the National School of Drama workshop conducted by Bansi Kaul at Gandhigram and later, in the workshops of Badal Sircar and Ingeborg Mayer.

3. Shri Sambandan conducted workshops Therukoothu at National School of Drama, New Delhi, International Theatre Workshop- Alwaye, the Central University- Pondicherry, National School of Drama - Bangalore, School of Drama and Fine Arts- Thrissur, Bhaskar's Arts Academy- Singapore, Theatre du Soleil- Paris. He also conducted workshops and promoted this art in many schools and colleges. The Therukoothu version of Gabriel Garcia Marquez's 'An Old Man with Huge Wings', directed by him for 5th International Theatre Festival at Bogota, Colombia in 1996 drew critical attention. Other Koothu plays directed by him are Brecht's 'Caucasian Chalk Circle', Thenali Raman, Basan's Dhoodha Gadothgajan and Silambu Selvi (Silapathikaaram). He choreographed the Therukoothu part in Ms. Arianne Mnouchkine's "Une Chambre En Inde" of Theatre du Soleil, Paris, France. He has accompanied his troupe in all major performances within India and abroad. He has performed in France, Sweden, Singapore, Colombia, USA, La Reunion and Sri Lanka.

4. Shri Sambandan was given a scholarship under the Young talented artiste scheme of the Ministry of Culture, Government of India in 1985. He was conferred the prestigious title Kalaimamani by the Tamilnadu state Eyal, Isai, Natak Manram in 1995. He was conferred the prestigious Title Nataka Thamizh Aringar by Pongu Thamizh Arrakattalai in the Year 2002, Dakshina Chitra Kalai Virudhu by Madras Craft Foundation in 2004, Podhigai Award by Chennai Doordharshan in 2007, Nritya Kala Nipuna Award by Nrityalaya Aesthetics Society, Singapore in 2008. He was given the Sangeet Natak Akademi award in acting for the year 2012, and the Kalai Sudar award by Tamilnadu Progressive Writers and Artistes association in the year 2014, the Dr. M.A. Chidambaram Chettiar Award for his excellence in Fine Arts followed in the year 2015. He was conferred an Honorary Doctorate from Tamilnadu Dr. J. Jayalalitha Music and Fine Arts University in the year 2020. Naataar Kalaikon Award from ABHAI in the year 2022, Nanban Arts and Crafts Award in the year 2023 are other notable recognitions.

श्री पुरिसई कण्णप्प सम्बन्धन

श्री पुरिसई कण्णप्प सम्बन्धन तमिलनाडु के थेरुकूथु के पुरीसाई स्कूल के कलाकार हैं।

2. 16 अक्टूबर, 1953 को तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई जिले के पुरीसाई गांव में जन्मे, श्री सम्बन्धन, थेरुकुथु के पुरीसाई स्कूल की पांचवीं पीढ़ी के कलाकार हैं। वह वर्ष 1977 से मुख्य भूमिकाओं में अभिनय कर रहे हैं। वर्ष 1977 में इन्होंने गांधीग्राम में बंसी कौल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की कार्यशाला में भाग लिया और बाद में बादल सरकार और इंगेबोर्ग मेयर की कार्यशालाओं में भाग लिया।

3. श्री सम्बन्धन ने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली, अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच कार्यशाला–अलवे, केंद्रीय विश्वविद्यालय– पांडिचेरी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय– बैंगलोर, नाट्य एवं ललित कला विद्यालय– त्रिशूर, भास्कर कला अकादमी– सिंगापुर, थिएटर डू सोलेइल– पेरिस में थेरुकूथु कार्यशालाएँ का आयोजन किया। इन्होंने कई विद्यालयों और महाविद्यालयों में कार्यशालाओं का आयोजन किया और कला के इस रूप को बढ़ावा दिया। इन्होंने वर्ष 1996 में बोगोटा, कोलंबिया में 5वें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव के लिए गेब्रियल गार्सिया मार्केज़ के 'एन ओल्ड मैन विद ह्यूज विंग्स' के थेरुकुथु संस्करण का निर्देशन किया, जिसने आलोचकों का ध्यान आकर्षित किया। इनके द्वारा निर्देशित अन्य कूथु नाटकों में ब्रेख्त का 'कॉकेशियन चॉक सर्कल', तेनाली रमन, बसन का धूधा गदोथगजन और सिलम्बू सेल्वी (सिलपथिकारम) शामिल हैं। इन्होंने सुश्री एरियन मनौचकिन के थिएटर डू सोलेइल, पेरिस, फ्रांस के "उने चैंबर एनइंडे" में थेरुकुथु अंश का छायांकन (कोरियोग्राफ) किया। ये प्रदर्शन भारत में हों और विदेशों में, इन सभी प्रमुख प्रदर्शनों में वह अपने दल के साथ रहें है। इन्होंने फ्रांस, स्वीडन, सिंगापुर, कोलंबिया, अमेरिका, ला रियूनियन और श्रीलंका में प्रस्तुति दी है।

4. श्री सम्बन्धन को वर्ष 1985 में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की युवा प्रतिभाशाली कलाकार योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति दी गई थी। इन्हें वर्ष 1995 में तमिलनाडु राज्य इयाल, इसाई, नाटक मनराम द्वारा प्रतिष्ठित कलैमामणि की उपाधि प्रदान की गई। इन्हें वर्ष 2002 में पोंगुथमिज़ अरकट्टलाई द्वारा प्रतिष्ठित नाटक थमिज़ अरिंगार की उपाधि, वर्ष 2004 में मद्रास क्राफ्ट फाउंडेशन द्वारा दक्षिणा चित्र कलई विरुधु, वर्ष 2007 में चेन्नई दूरदर्शन द्वारा पोधिगई पुरस्कार, वर्ष 2008 में नृत्यालय एस्थेटिक्स सोसाइटी, सिंगापुर द्वारा नृत्य कला निपुण पुरस्कार प्रदान किया गया। इन्हें वर्ष 2012 में अभिनय में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, वर्ष 2014 में तमिलनाडु प्रगतिशील लेखक और कलाकार संघ द्वारा कलईसुदर पुरस्कार, इसके बाद 2015 में ललित कला में उत्कृष्टता के लिए डॉ. एम.ए. चिदंबरम चेट्टियार पुरस्कार प्रदान किया गया। इन्हें वर्ष 2020 में तमिलनाडु डॉ. जे. जयललिता संगीत और ललित कला विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की गई। इनको प्राप्त महत्वपूर्ण पूरस्कारों में वर्ष 2022 में एबीएचएआई से नातार कलईकोन पुरस्कार, वर्ष 2023 में ननबन कला और शिल्प पुरस्कार शामिल हैं।